

30  
3  
4

कभी न वाली अनुपस्थित। वालीगण की अनुपस्थिति  
 कक कक कर भावाजी लगाई गई परन्तु  
 न की वालीगण उपर भारी खं न ही  
 इन्की ओर से कोई आधिक्य उपर भारी  
 दोपहर की वीन वजन चुकी है। कक कक  
 कर पुनः भावाजी लगाई गई परन्तु  
 उपर नही भारी मतः वाद वाली इसी  
 स्वर पर अडम हाजरी, अडम पैकी  
 में खरीज निमा जावडो। पगावली  
 जैससा अडम ही नखर से नग डी  
 पगावली वरवीस कुनादिम जावा  
 अखिस अडम

*[Handwritten signature]*